# बाल मन कैमूर

अंक 1

माह जनवरी
वर्ष 2022

संपादक:- धीरज कुमार
Ums सिलौटा भभुआ

# सम्पादकीय

“ प्यारे बच्चों,
नमस्कार,
आप सभी बच्चों के प्रति प्रेम और अपनापन ने मुझे आप सभी के लिए कुछ नया करने के लिए प्रेरणा प्रदान की| इस पत्रिका को आप लोगो को समर्पित करते हुए हमें काफी प्रशन्नता हो रही है| आज हम इस पत्रिका का पहला अंक आपके लिए लाए है| हम पूरी कोशिश करेंगे कि आगे भी आपको इस पत्रिका का अगला अंक प्राप्त होते रहे| यह अंक बेहद ख़ास है क्योंकि हमारी मेहनत और आपके लगन द्वारा ही आज यह पत्रिका आप सभी के बीच है| प्यारे बच्चों, आप इसी तरह से अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे| हम आपकी प्रतिभा को इस पत्रिका में स्थान जरूर देंगे|

हमें आशा ही, नहीं पूर्ण विश्वास है की यह पत्रिका आपके कैमूर ही नहीं पूरे बिहार या कहे पूरे भारत में आपकी प्रतिभा को एक मंच प्रदान करता रहेगा| यह हमारा पहला अंक है जिसमे प्राप्त पेंटिंग, कविता, कहानी आदि का चयन करते हुए प्रकाशित किया गया है| अन्जाने में यदि कोई भूल हुई होगी तो उसमे सुधार करने की कोशिश होगी| भूल-चूक के लिए हम क्षमाप्रार्थी है| आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ |

: धीरज कुमार

## प्रेरक प्रसंग

### मेरे अकेले से क्या होगा ?

एक गावं में आग लगी।
सभी लोग उसे बुझाने में लगे। वही
एक चिड़िया अपनी चोंच में पानी
भरती और आग में डालती रही।
फिर जाकर पानी ले आती,
आग में डालती एक कौआ
ये देख रहा था। कौआ बोला
अरे पगली तू कितनी भी मेहनत
कर तेरे बुझाने से ये आग नही
बुझेगी। उस पर चिड़िया बोली
मुझे पता है, मेरे बुझाने से
आग नही बुझेगी लेकिन जब
भी इस आग का ज़िक्र होगा,
तो मेरी गिनती बुझाने वालो
में और तेरी गिनती तमाशा
देखने वालो में होगी।

## संपादक मंडल


प्रधान संपादक :-
धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा (भभुआ) कैमूर

सहयोगकर्ता सदस्य :-
आक्रोश तिवारी (+2 उच्च वि० भगवानपुर )
शिव कुमार गुप्ता ( BRP भभुआ )
हरिदास शर्मा ( प्रधानाध्यापक M.S. डहरक, रामगढ़ )
अलोक मिश्रा ( पं० शिक्षक, भगवानपुर )
अवधेश राम ( प्र० शिक्षक भभुआ )
चंद्रजीत प्रसाद (U M S धरमपुरा, भभुआ)

## अजब-गजब

1. रसगुल्ले को बनाने वाले का नाम "नाबिनचंद्र दास" था। जो बंगाल के थे।
2. 1 से 99 तक की स्पेलिंग में कही भी A,B,C,D नही आता है।
3. चींटी अपने वजन से 50 गुना भारी वस्तु उठा सकती है।
4. शुतुरमुर्ग के एक अंडे से लगभग 30 लोगो के लिए आमलेट बनाया जा सकता है।
5. मनुष्य का बच्चा चार महीने तक नमक और चीनी का स्वाद नही पता कर पाता है।

## आपके पेंटिंग्स

1

2 रवि किशन
M S बरहुली

3 करण कुमार, वर्ग 5
NPS सेमरा

4

अमृत राज, वर्ग 5
UMS सिलौटा

5

अन्नू यादव
UMS सिलौटा

6

7

8

अमृत राज, वर्ग 5 UMS सिलौटा

नंदनी कुमारी MS
अखलासपुर

**अंश कुमार UMS सिलौटा**

# कहानी : स्वर्ग और नरक

एक बार की बात है। बाजार में रामलाल चाचा और प्रकाश चाचा आपस में किसी बात को लेकर आपस में झगड़ रहे होते हैं। प्रकाश चाचा रामलाल चाचा से कहते हैं कि तुम्हें तो स्वर्ग में भी जगह नहीं मिलेगी।
जवाब में रामलाल चाचा भी प्रकाश चाचा से कहते हैं कि तुझे तो नरक भी नसीब नहीं होगा।

यह सब बातें एक छोटा बच्चा सुन रहा था।
बच्चे ने अपने पापा को टोकते हुए पूछा कि पापा यह स्वर्ग और नरक क्या होता है?

पापा ने उससे बोला कि बेटा मैं अभी काम में व्यस्त हूं। मुझे बहुत सारे काम करने हैं बाद में तुम्हें मैं बताऊंगा। यह कहकर उसकी बातों को टाल देता है।

घर पहुंचने के बाद बच्चा अपनी मां से भी पूछता है कि मां मुझे बताओ ना कि स्वर्ग और नरक क्या होता है?
मां भी उसे खाना पकाने की बात कह टाल देते हुए कहती है कि बाद में बताऊंगी।

बच्चे से रहा नहीं जाता है। अब वह बच्चा जिज्ञासु मन से जानने हेतु अपनी दादी के पास जाता है और दादी से भी यही प्रश्न पूछता है कि दादी स्वर्ग और नरक क्या है?

बच्चे की जिद को देखकर दादी ने कुछ सोच कर उससे पूछा कि तुम क्या जानना चाहते हो?

बच्चे ने पूछा दादी स्वर्ग और नरक क्या है?
दादी ने कहा अच्छा ये जानना चाहते हो।
बच्चे ने सहमति में अपना सिर हिला कर अपनी प्रतिक्रिया दी।
दादी बोली मगर तुम तो बहुत छोटे हो। यह जानकर क्या करोगे?

लड़का जिद पर अड़ा रहा कि नहीं दादी बताना ही पड़ेगा।
उसकी जिद देखकर दादी ने उससे पूछा?
अच्छा यह बताओ तुम्हारे मम्मी पापा तुमसे कब नाराज रहते हैं और कब तुमसे खुश रहते हैं?

लड़के ने थोड़ा सोचते हुए बोला कि मुझसे कोई गलती हो जाती है तो मुझे डांट पड़ती है। कभी-कभी बहुत ज्यादा बड़ी गलती हो जाती है तो पिटाई भी होती है। जब मैं मम्मी पापा की बात को नहीं सुनता हूं तो भी मुझे डांट पड़ती है और मम्मी पापा मुझसे नाराज हो जाते हैं।

दादी ने पूछा और खुश कब रहते हैं तुमसे मम्मी पापा?
लड़के ने जवाब में कहा कि जब मैं अपना सारा काम अच्छे से कर लेता हूं या अच्छे से करता हूं। मम्मी पापा की काम में सहायता करता हूं। पढ़ाई अच्छे से करता हूं। पापा मम्मी मुझे उस समय शाबाशी देते हैं और खुश भी रहते हैं। मुझे चॉकलेट और खिलौने भी लाकर देते हैं। मजा आ जाता है।
अच्छा इसका मतलब तुम अच्छा काम करते हो तो तुम्हें सब प्यार करते हैं और खुश रहते हैं।
लड़का हां कह सिर हिलाता है।
दादी यही असल जीवन में स्वर्ग है बेटा।
यदि तुम अच्छे काम करते हो, लोगों की सहायता करते हो, किसी को तुमसे कोई तकलीफ नहीं होती है तब तुम्हें सभी आशीर्वाद देते हैं।
तुम्हारा जीवन सुख में भरा होता है।
यही स्वर्ग है जब तुम्हारे साथ सभी रहते है।
अगर तुम गलती करते हो किसी को तकलीफ पहुंचाते हो। उन्हें तुमसे दुख पहुंचता है तो वह तुमसे नाराज हो जाते हैं। तुम्हें भी अच्छा नहीं लगता कि सब नाराज है तुमसे। तुम जिंदगी में अकेले रह जाते हो।

यही तो नरक है, कोई तुम्हारे साथ रहना पसंद नहीं करता तुम अकेले हो जाते हो। वास्तव में ये ही नरक है।
इतना सुनते ही लड़का कहता है, मैं आपकी बातों को समझ गया हूं दादी।

मैं आज से अच्छे अच्छे काम करूंगा। लोग मेरे काम से खुश रहेंगे। मैं अब सबकी जिंदगी को स्वर्ग बनाऊंगा।
और खुशी-खुशी दादी को प्रणाम कर चला जाता है।
साथियों एक छोटे बच्चे को ये बात कितनी आसानी से उसकी दादी ने समझा दिया।
वास्तविक जीवन में हम सभी बड़े होकर भी स्वर्ग और नरक काल्पनिक दुनिया को ही मानते हैं।
जबकि हकीकत तो यही है की स्वर्ग और नरक यही है।
अच्छा कर्म करेंगे तो स्वर्ग आपको यहीं नसीब होगा और बुरे कर्म करेंगे तो नरक भी यहीं मिलेगा।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा प्रखंड भभुआ कैमूर

# हमारे आदर्श

श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता
(सेवानिवृत पूर्व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, भभुआ कैमूर)

कहते है की गुरु का स्थान देवी-देवताओं से भी उपर है। गुरु के द्वारा ही गोविन्द (भगवान) की पहचान होती है। आज हम अपने इस पहली कड़ी में ऐसे ही एक गुरु को नमन करते हुए आइए उनके बारे में जानते है।
श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता जी आप सभी बच्चों और शिक्षकों के लिए एक ऐसे आदर्श गुरु है जिनकी जितनी भी तारीफ़ शब्दों में करे कम होगी। श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता सर दिनांक 18-03-1991 को अपने प्रथम पोस्टिंग के साथ ही खुद के अच्छे कर्म, ईमानदारी, कर्मठता, कर्तव्यपालन, मेहनती और मधुरभाषी स्वाभाव से सबके दिल में अपनी एक जगह स्थापित किए। प्रथम पोस्टिंग राजकीय बुनियादी विद्यालय तेघड़ा बजड़पुरा में प्रधानाध्यापक के पद से की गई शुरुआत एवं तीन बार डायट [तरार, दाउदनगर जिला औरंगाबाद, मसौठी (पटना) बिहिया (भोजपुर)] में लेक्चरर के रूप में 10 वर्ष शिक्षण कला में अनुभव के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक अनुभव शिक्षण कला कौशल, नवाचार शैक्षणिक गतिविधियों आदि के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सदैव शिक्षकों का मार्गदर्शन में भरपूर सहयोग किए।
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के पद पर भी बड़हरा, शाहपुर एवं भभुआ प्रखंड आपके नेतृत्व में सदा अग्रणी रहा।

दिनांक 19-09-2020 से भभुआ प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के पद पर रहते हुए कोरोना महामारी में भी ऑनलाइन गुरुगोल्ठी का आयोजन समय से करवाते हुए जिले के
उच्च पदाधिकारियों से "और कोई काम हो तो दिया जाए" के साथ सफलतापूर्वक अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन किए|
गुरु गोल्ठी में सरकारी विद्यालय में ऑनलाइन क्लास की प्रेरणा सदैव मिलते रहने से BRP भभुआ शिवकुमार गुप्ता जी के द्वारा आपके अनुभव से ही "मेरा मोबाइल मेरा विद्यालय : मेरी शिक्षा कैमूर" पहल की शुरुआत की गई|
श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता जी सदैव ऑनलाइन क्लास की जानकारी भी लेते रहते साथ में बच्चों और अभिभावकों के साथ ऑनलाइन क्लास के दौरान बातचीत कर प्रेरित भी करते रहे| परिणामस्वरूप इस पहल की चर्चा जिला के शिक्षा पदाधिकारियों के द्वारा राज्य स्तर पर भी की गई|
दिनांक 30-06-2021 के अपने सेवाकाल के अंतिम दिन ऑनलाइन क्लास लेने वाले शिक्षक और शिक्षकाओं को सम्मानित करवाने में भी आपके द्वारा भरपूर सहयोग मिला| यह दिन आपके साथ-साथ सभी के लिए यादगार पल के रूप में सबके ज़ेहन में रहेगी| दिनांक 24-07-2021 को विदाई समारोह का भावुक क्षण भला कौन भूल सकता है? केवल भभुआ प्रखंड के शिक्षक ही नही, शाहपुर, बिहिया और बड़हरा के शिक्षक भी शामिल हुए|
जिले और प्रखंड के सभी पदाधिकारी महोदय के बीच ऐतिहासिक दिन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विदाई समारोह के बीच आप सदैव हमारे आदर्श बने रहेंगे| चेहरे पर मुस्कान और सेवानिवृत होने के बाद भी शिक्षकों का सहयोग करने का भाव निश्चित ही आप जैसे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह गुरु के रूप में पाकर हम सभी धन्य हो गए|

## पहेली

1. चौकी पर बैठी एक रानी,
सिर पर आग बदन में पानी

उत्तर- माचिस

2. टोपी है हरी मेरी, लाल है दुशाला
पेट में अजीब लगी, दानों की माला

उत्तर- मिर्च

3. काला रंग है मेरी शान,
सबकों मै देता हूँ ज्ञान ।
शिक्षक करते मुझ पर काम,
नाम बताकर बनो महान ।

उत्तर- ब्लैक बोर्ड

4. जन्म दिया रात ने,
सुबह ने किया जवान ।
दिन ढलते ही निकल गई
इस बेचारे की जान ।

उत्तर- समाचार पत्र / अखबार

## बूझो तो जाने

1. ऐसी कौन सी गैस है जिसे सूंघने पर व्यक्ति हँसने लगता है ।
उत्तर- नाइट्रस ऑक्साइड
2. कौन सी नदी तिब्बत, पाकिस्तान, और भारत से होकर बहती है ।
उत्तर- सिन्धु नदी
3. किस राज्य के सबसे ज्यादा राज्यपाल आगे जाकर भारत के राष्ट्रपति बने ।
उत्तर- बिहार
4. वह कौन सा जीव है जिसके तीन दिल होते है ।
उत्तर- ऑक्टोपस
5. भारत के किस राज्य में एक भी रेलवे लाइन नही है ।
उत्तर- सिक्किम

## -: चुटकुले :-

शिक्षक:- हरी मिर्च में कौन सा विटामिन पाया जाता है ?
छात्र:- विटामिन C
शिक्षक:- शाबास ! कैसे पता ?
छात्र:- सर, क्योकि मिर्च खाते है तो मुँह से सी-सी की आवाज़ निकलती है |

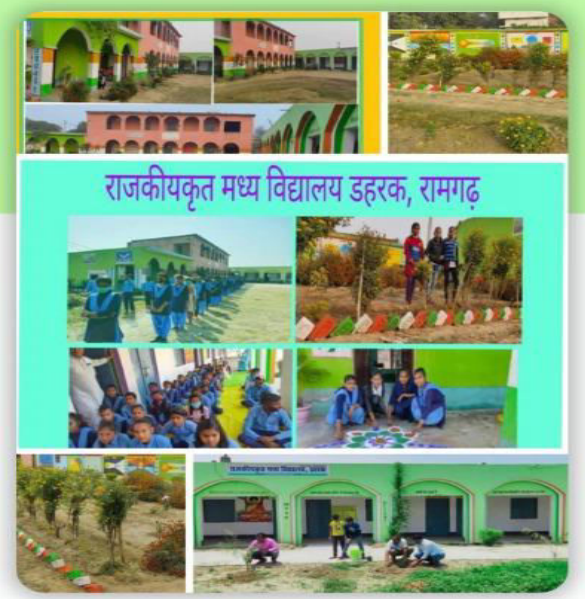


# हमारा विद्यालय, हमारी प्रतिष्ठा

विवेकानंद की उक्ति "तुम कभी किसी समस्या से भयभीत हो, तो उससे भागो मत, पलटो और सामना करो "।
बिहार ही नही देश के अधिकांश सरकारी विद्यालयों में समस्याओं की लम्बी फ़ेहरिस्त है, कहीं भौतिक संसाधन का रोना, कहीं आर्थिक कमी, विद्यालय के प्रति सामाजिक दूरी, अभिभावकों की निष्क्रियता इत्यादि। लेकिन कहा गया है

हौसला बुलंद कर रास्तों पर चल दे, तुझे तेरा मुकाम मिल जायेगा ।
अकेला तू पहल कर, काफिला खुद बन जायेगा ।

तमाम विपरीत एवं विषम परिस्थितियों के बावजूद कैमूर जिला के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक एक अलग पहचान बनाने में कामयाबी के पथ पर निरंतर अग्रसर है । प्रत्येक विद्यालय की तरह यहाँ भी विद्यालय का शुभारम्भ चेतना सब से किया जाता है, लेकिन यहाँ भी सभी शिक्षक और छात्रों की जिम्मेदारी तय है । ड्रम की आवाज़ के साथ चेतना सत्र से सभी कार्य कराए जाते है ।

विद्यालय दिन-प्रतिदिन पूरे बिहार में चर्चित हो रहा है। विद्यालय ICT का प्रयोग, कला समेकित शिक्षा, बाल संसद, मीना मंच, बाल हठ, युवा क्लब तथा इको क्लब का गठन, भौतिक संसाधन दिवार पर ज्ञानवर्धक सुन्दर चित्रकारी, बागवानी, पुस्तकालय आदि के लिए मशहूर है। विद्यालय के बच्चों को शिक्षक T.I.M. द्वारा पढ़ाते है। विद्यालय का आकर्षक रूप अनायास किसी को भी अपनी तरफ आकर्षित कर सकता है। विद्यालय में जगह-जगह QR कोड लगाए गए है, जिसे स्कैन कर सम्बंधित शीर्षक से संक्षिप्त जानकारी प्राप्त हो जाती है।
विद्यालय के वर्तमान प्रधानाध्यापक श्री हरिदास शर्मा जी के मेहनत और लगन का नतीजा है की आज विद्यालय में स्मार्ट क्लास भी संचालित हो रहे है। ग्रामीण क्षेत्र का यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की प्रतिभा को निखारने में पूरी मदद कर रहा है। आइए हम सभी भी यह संकल्प लें की अपने विद्यालय को हम भी सुन्दर, स्वच्छ बनाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपने- अपने विद्यालय को अग्रणी रखें । धन्यवाद ॥

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021 से सम्मानित

हरिदास शर्मा, प्रधानाध्यापक
राजकीयकृत मध्य विद्यालय,
डहरक, रामगढ, कैमूर

# पिता

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता,
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता ।
अगर जन्म दिया है माँ ने,
जानेगा जिससे जग, वो पहचान है पिता ।

कभी कंधे पर बिठाकर मेला दिखाते है पिता,
कभी बनकर घोड़ा, घुमाते है पिता ।
माँ अगर पैरों पर चलना सिखाती है,
तो पैरों पर खड़ा होना सिखाते है पिता ।

कभी ख़्वाब को पूरी करने की जिम्मेदारी है पिता,
कभी आसुओं में छिपी लाचारी है पिता ।
माँ अगर गहने बेच सकती है, जरूरत पड़ने पर,
तो अपने आप को जो बेच दे, वो व्यापारी है पिता ।

कभी हँसी और ख़ुशी का मेला है पिता,
कभी कितना तन्हा, और अकेला है पिता ।
माँ तो कह देती है
अपने दिल की बात,
सबकुछ समेट कर,
आसमान सा फैले है पिता ।

अन्नू यादव
वर्ग – 8, U.M.S. सिलौटा
प्रखंड – भभुआ

# पैसे पेड़ पर नही उगते

ये दुनिया ईश्वर की रचना।
फल-फूल पेड़ पर है उगते ॥
पैसे-रुपए है मानव की रचना।
पैसे पेड़ पर नही उगते ॥

बहुत मेहनत करो और कड़ी परिश्रम।
रुपए- पैसे कमा कर तब घर चलाते है हम ॥
मेहनती लोग मेहनत करते,पीछे कभी नही हटते।
क्योंकि पैसे पेड़ पर नही उगते ॥
बच्चो को भी समझ ये आए रूपए - पैसे है जरूरी।

समझाए उनको भी बचपन से,जो संभव हो वो इच्छा करे पूरी ॥
जिद करने वाले बच्चो को समझाने में कभी पीछे नहीं हटते।

क्योंकि पैसे पेड़ पर नही उगते ॥
जिसने समझा मोल पैसे का,बचपन से ही बढ़ता वो आगे।
गुल्लक में पैसे जमा करना,बचत की आदत बच्चो में डाले ॥

पैसे की कदर करना,ये सीखे सभी छोटे हो या बड़े।
क्योंकि पैसे पेड़ पर नही उगते ॥

धीरज कुमार
UMS सिलौटा प्रखंड भभुआ कैमूर

# टी.एल.एम.द्वारा शिक्षण

अवधेश राम, प्रखंड शिक्षक
उत्क्र.म.वि.बहुआरा, भभुआ
मो.न. 8581943379

वर्तमान परिवेश में शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर एवं प्रभावी बनाने के लिए शिक्षाविदों द्वारा पारंपरिक शिक्षण पद्धति से कुछ अलग हटकर शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है। निश्चीत तौर पर नवाचारी शिक्षण पद्धतियां शिक्षण कार्य को न केवल रोचक एवं मनोरंजक बनाती है वरन, अधिगम संप्राप्ति को भी सहज, सरल और स्थायी बना देती है।

टी.एल.एम.द्वारा शिक्षण भी शिक्षा में नवाचार का एक रूप है जिसे हमने कुछ वर्षो से अध्ययन-अध्यापन का अंग बना लिया है। शिक्षण प्रक्रिया में टी.एल.एम.का प्रयोग करने से बच्चे उत्साहित होकर सीखते है। साथ ही साथ विषय-वस्तु की अवधारणा स्पष्ट करने तथा ज्ञान को स्थायी बनाने में टी.एल.एम.की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

**आइए अब हम अपने कुछ टी.एल.एम. के बारे में संक्षिप्त रूप में चर्चा करते है:**

1.Advance Quize Board:

यह एक बैटरी चालित बोर्ड है जिसके ऊपर में एक लाल एवं एक हरे रंग का छोटा एल ई डी बल्ब लगा हुआ है।
बोर्ड के उपरी भाग में दोनों तरफ से एक-एक पतला तार बहर निकला हुआ है। बायें तरफ वाला तार प्रश्न तथा दाहिने तरफ वाला तार उत्तर पर क्लिक करने के लिए है। बोर्ड पर प्रश्न तथा उत्तर के विकल्पों के लिए स्क्रू लगाकर स्थान निर्धारित किये गए है।

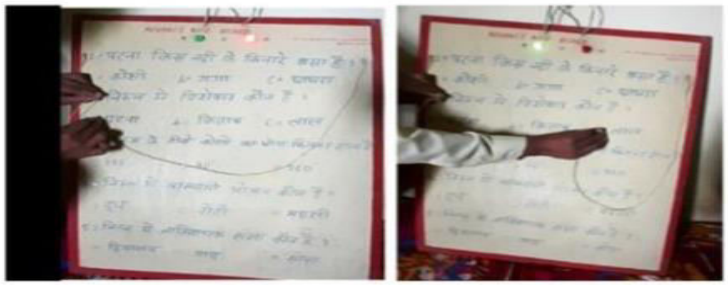

किसी भी विषय में पाठ की समाप्ति के बाद अभ्यास कार्य कराने के क्रम में उस पाठ से सम्बंधित बहु-विकल्पीय प्रश्नों को बोर्ड के निर्धारित स्थान पर लिखा जाता है। साथ ही उत्तर के लिए निर्धारित स्थान पर तीन वैकल्पिक उत्तर लिखे जाते है जिसमे केवल एक सही होता है। अब बोर्ड के बायें तरफ से निकले हुए तार को प्रश्न वाले स्क्रू पर रखते है तथा दाहिने तरफ से निकले हुए तार को बारी-बारी से उत्तर के सभी विकल्पों पर क्लिक करते है। सही उत्तर पर क्लिक करने पर हरा तथा गलत उत्तर पर क्लिक करने पर लाल बल्ब जलता है।

बच्चों के लिए यह बहुत ही रोचक बोर्ड है। सही उत्तर खोजने के प्रयास में बच्चे बार-बार इस प्रक्रिया को करते है जिससे बोर्ड पर लिखे सभी प्रश्नों के उत्तर आसानी से याद हो जाते है। यदि हमे लगे की अधिकांश बच्चे प्रश्नों के त्तर याद क्र लिए है तो हम प्रश्नों को बदल सकते है।

# मेरा मोबाइल मेरा विद्यालय : मेरी शिक्षा

किसी ने सोचा नही था की एक समय ऐसा भी आएगा जब COVID-19 की वजह से विद्यालय बंद हो जायेंगे। एक बार विद्यालय खुलने के बाद जब विद्यालय बंद हुआ तब सरकारी विद्यालय के कुछ शिक्षक परेशान हुए। इनमे से एक शिवकुमार गुप्ता (B.R.P. प्रखंड भभुआ) की पहल पर मेरा मोबाइल मेरा विद्यालय : मेरी शिक्षा की शुरुआत तत्कालीन प्रखंड शिक्षा पदा० श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में हुई। इस पहल की शुरूआती दौर में धीरज कुमार (U.M.S. सिलौटा), प्रेमशंकर शर्मा (C.R.C.C. परमालपुर) के शानदार साथ और सहयोग से इस पहल की चर्चा हर जगह होने लगी।

धीरे-धीरे ये पहल हरिदास शर्मा (प्र०वि० डहरक) के नेतृत्व में रामगढ़ प्रखंड में, राजीव कुमार (C.R.C.C. बम्हौर) के नेतृत्व में मोहनिया प्रखंड तथा कमलेश कुमार (B.R.P. कुदरा) आदि के नेतृत्व में कुदरा प्रखंड से पुरे कैमूर में चर्चित हो गई। लगभग 100 से 150 सरकारी विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिका ऑनलाइन क्लास लेना शुरू कर दिए। शिक्षक अपने विषय से सम्बंधित विडीयो एवं Whatsapp ग्रुप निर्माण कर ऑनलाइन क्लास भिन्न-भिन्न एप्प (मीट, ज़ूम आदि) द्वारा लेने लगे। इस कार्य में कैमूर जिले के सभी शिक्षा पदाधिकारी महोदय का भी भरपूर साथ मिला सभी के द्वारा समय-समय पर प्रोत्साहन से शिक्षकों का भी उत्साहवर्धन होते रहा। e-LOTS के राज्यस्तरीय प्रशिक्षण में इसकी चर्चा से इस पहल की प्रसिद्धि राज्यस्तर पर भी होने लगी।

इसी क्रम में शिक्षकों को ऑनलाइन क्लास लेने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

एक शिक्षक होने के नाते सरकारी विद्यालय के बच्चों को इस आपदा की घड़ी में विद्यालय बंद होने पर ऑनलाइन क्लास लेने के लिए बाल पत्रिका की टीम सभी को धन्यवाद करती है।

आपको यह अंक
कैसा लगा ?
आप हमे जरूर
बताइएगा।

Whatsaap 9431680675

Thank you